Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

J 5 5 1 0

Test Booklet No.

Time : 2 $^{1}/_{2}$ hours]

PAPER-III
LABOUR WELFARE

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

LABOUR WELFARE

श्रम कल्याण

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. What reforms would you suggest in Indian Labour Legislations to-day in the context of ongoing globalization in India ?
आज वैश्वीकरण के दौर में भारत के श्रम कानूनों में किस प्रकार के परिवर्तनों के लिए आप सुझाव देंगे ?

OR / अथवा

It is said that, if a management considers unions as a problem it avoids them and if it considers them as a part of the solution it consults them and seeks their co-operation. What can management and unions do together or independently to ensure fairness and build trust ?
यह कहा जाता है कि "जब प्रबन्धन मज़दूर संघ को एक समस्या के रूप में देखता है तो उसका बहिष्कार करता है । जहाँ प्रबन्धन मज़दूर संघ को समस्या समाधान का एक भाग समझता है वहाँ मज़दूर संघ के साथ विचार विमर्श करता है तथा उनका सहयोग लेता है ।" प्रबन्धन और श्रमिक संघ एक साथ मिल कर या स्वतन्त्र रूप से क्या कर सकते हैं जिससे उचित व्यवहार प्रतीत हो और एक-दूसरे के बीच विश्वास को बढ़ाया जा सके ।

2. "The purpose of HR is to create an organization that ensures employee's pride to be members in the organization, shareholders confidence to invest in the organization and customer's delight in the products and services of the organization" – Justify the statement and explain how HR strategy can be aligned with corporate strategy in order to achieve the aforesaid purpose.

"एच आर का उद्देश्य है – एक ऐसी संस्था की स्थापना करना जहाँ कर्मचारी कार्य करना गौरव की बात समझते हों । जहाँ शेयर होल्डर विश्वास के साथ पैसा निवेश कर सकते हों और जिसके उत्पाद तथा सेवा लेना ग्राहक-सुखदाई हो ।" इस कथन की पुष्टि करते हुए यह बतायें कि एच आर स्ट्रेटिजी को किस प्रकार कार्पोरेट स्ट्रेटिजी के साथ जोड़ा जा सकता है ?

OR / अथवा

Social dialogue in India currently is based on social exclusion. How can the social base of social dialogue be widened ?

आज भारत में सामाजिक संवाद सामाजिक बहिष्करण पर आधारित है । सामाजिक संवाद के सामाजिक आधार को किस प्रकार विस्तृत किया जा सकता है ?

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
विकल्प – I

3. What do you think will be the future of Industrial Relations in India ?
   आपके विचार से भारत में औद्योगिक सम्बन्ध का क्या भविष्य होगा ?

4. What do you mean by Labour Management Co-operation ? How can this be achieved ?
   श्रम-प्रबन्ध सहयोग से आप क्या समझते हैं ? इसको कैसे साकार किया जा सकता है ?

5. Discuss the provisions of Code of Discipline. Are they effective ?
   अनुशासन संहिता के प्रावधानों की चर्चा करें । क्या वे प्रभावशील हैं ?

OR / अथवा

Elective – II
विकल्प – II

3. What are the provisions of voluntary retirement scheme adopted in Indian Public Sector ?
   भारत में पब्लिक सेक्टर उद्योगों में लागू ऐच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना के प्रावधानों की चर्चा करें ।

4. What are the challenges of International HRM ? How training can overcome these challenges ?
   अन्तर्राष्ट्रीय एच आर एम के क्षेत्र में कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं ? प्रशिक्षण द्वारा इन्हें कहाँ तक दूर किया जा सकता है ?

5. "Organizational Development is about unleashing human spirit and human capabilities at the workplace." Discuss the future of OD in light of this statement.
   "संगठन विकास (ओ डी) का मुख्य उद्देश्य है कार्य स्थान पर मानव प्रवृत्ति तथा मानव क्षमता को बढ़ाना ।" इस कथन को ध्यान में रखते हुए ओ डी के भविष्य की चर्चा करें ।

OR / अथवा

Elective – III
विकल्प – III

3. "Indian Labour Legislations are progressive but ineffective." – Comment.
   "भारत में श्रम कानून प्रगतिशील तो हैं, परन्तु प्रभावहीन हैं ।" इस कथन पर टिप्पणी करें ।

4. What are the reasons for implementation of a very small number of ILO conventions and recommendations by the Indian Government ? How does it affect ILO's influence on the growth of labour legislations in India ?
   भारत द्वारा आई.एल.ओ. के बहुत कम अभिसमयों तथा सिफारिशों को लागू करने के पीछे कौन से कारण उत्तरदायी बतलाए जाते हैं ? किस प्रकार इसका भारत में श्रम कानूनों के विकास पर बुरा प्रभाव पड़ा है ?

5. There is an urgent need to examine the working of State and Central Implementation machinery in India. Examine the suggestions made by the 1st and 2nd National Commission on Labour in this regard.

भारत में आज श्रम कानूनों की केन्द्र तथा राज्य कार्यान्वयन मशीनरी का अध्ययन करना बहुत आवश्यक हो गया है । इस संदर्भ में प्रथम तथा द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग के सुझावों की चर्चा कीजिये ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What are the essential features of an effective plan ?
एक प्रभावशाली योजना की कौन-कौन सी विशेषताएँ हैं ?

7. What is manpower planning ? What are its steps ?
मानव-शक्ति योजना क्या है ? इसके कौन-कौन से चरण हैं ?

8. Explain Edgar Schein's career planning model.
एडगर शीन द्वारा दिये गए 'केरियर प्लेनिंग' मॉडल की चर्चा करें ।

9. Differentiate between management and leadership.
प्रबन्ध तथा नेतृत्व के बीच अन्तर बताएँ ।

10. Discuss Dunlop's industrial relations system.
डनलप द्वारा दी गई औद्योगिक सम्बन्ध प्रणाली की चर्चा करें ।

11. What are the types of Trade Unions in India ?
भारत में मज़दूर संघों के भिन्न-भिन्न प्रकार क्या हैं ?

12. Distinguish between conventions and recommendations of ILO.
आई.एल.ओ. के अभिसमयों तथा सिफारिशों के बीच अन्तर बतायें ।

13. Explain any two theories of Labour Welfare.
श्रम कल्याण के किन्हीं दो सिद्धान्तों की चर्चा करें ।

14. What are the determinants of labour force participation rate in a country ?
किसी भी देश में श्रम शक्ति सहभागिता-दर को निर्धारित करने वाले कौन-कौन से तत्त्व होते हैं ?

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

The problem of industrial peace is common to almost all the industrially developed countries of the world and even since industrialisation began, each country is making efforts to find out its solution. The ways and methods in solving this problem differ from country to country depending upon its economic, social and political environment. Still the problem has not been solved completely. Industrial disputes still arise and will continue to arise in future also. Maintenance of satisfactory industrial relations, therefore, forms an important plank in the labour policy of every developed or developing country. It is almost a precondition for every country's progress. Thus, the major prerequisite for industrial progress is the prevalence of industrial peace – a suitable climate in which the industries can thrive. Although, industrial peace is one of the familiar terms in labour terminology and its concept is clear, yet its definition is somewhat difficult. Industrial peace broadly implies the absence of industrial unrest or the existence of a harmonious relationship or co-operation between labour and capital in industry. Industrial unrest is generally the result of worker's discontent in some form or the another. The factors which give rise to such discontent among the workers are mainly economic and partly also social, psychological and even political in character. The industrial unrest is said to have taken an organized form when the work-people make a common cause of their grievances against the employers and may be manifested through strike, organized demonstrations, picketing etc. Industrial peace, however, is not merely a negative concept signifying the absence of industrial unrest – the reconciling of hostile forces in order to avoid ruinous strife, but it also signifies active presence of harmonious and good industrial relations generating amity and goodwill between the parties in an industry – a condition which is both the cause and effect of fruitful co-operation. Obviously, therefore, industrial peace in the full and positive sense of the term is not the same as absence of industrial tension or unrest; it is indicative of the state of relationship between organized bodies of workers and employers/managements where a positive, highly purposeful, problem solving and cordial approach to the various human situations in the industry is developed.

विश्व के औद्योगिक रूप से विकसित प्राय: सभी देशों में औद्योगिक शांति की समस्या एक समान है, तथा जब से उद्योगीकरण प्रारम्भ हुआ तभी से प्रत्येक देश इसका समाधान ढूँढ़ने के लिए प्रयासरत है । संबंधित देश के आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक परिवेश के आधार पर विभिन्न देशों में इस समस्या के समाधान हेतु अपनाये जाने वाले तरीके तथा विधियाँ भिन्न-भिन्न हैं । तथापि इस समस्या का समाधान पूर्णत: नहीं हो पाया है । औद्योगिक विवाद अभी भी उठते हैं तथा भविष्य में भी उठते रहेंगे । प्रत्येक विकसित तथा विकासशील देश की श्रम-नीति में संतोषप्रद औद्योगिक संबंध एक महत्त्वपूर्ण फलक है । प्रत्येक देश की प्रगति के लिए यह एक पूर्वगामी-शर्त है । इस प्रकार औद्योगिक शांति – अर्थात् उद्योगों के फलने-फूलने के लिए एक समुचित वातावरण – का होना औद्योगिक प्रगति के लिए एक प्रमुख पूर्वापेक्षा है । यद्यपि, श्रम-शब्दावली में औद्योगिक शांति एक सुविदित पद है तथा इसकी संकल्पना स्पष्ट है, तथापि इसे परिभाषित करना किंचित् कठिन है । औद्योगिक

अशांति का अभाव अथवा सद्‌भावपूर्ण संबंध की उपस्थिति अथवा श्रम तथा प्रबंधन के बीच सहयोग औद्योगिक शांति में मोटे तौर पर अन्तर्निहित है । सामान्यत: औद्योगिक अशांति किसी न किसी रूप में श्रमिकों के असंतोष से उत्पन्न होती है । श्रमिकों के बीच इस प्रकार के असंतोष को उत्पन्न करने वाले कारक मुख्य रूप से आर्थिक तथा आंशिक रूप से मनोवैज्ञानिक तथा यहाँ तक कि राजनीतिक प्रकृति के होते हैं । ऐसा कहा जाता है कि औद्योगिक अशांति तब एक संगठित रूप धारण कर लेती है जब श्रमिक अपने नियोक्ताओं के विरुद्ध अपनी शिकायतों को एक सामूहिक प्रयोजन बना लेते हैं तथा यह हड़ताल, संगठित प्रदर्शन, धरना आदि के रूप में प्रकट होता है । तथापि औद्योगिक शांति एक नकारात्मक संकल्पना मात्र नहीं है जो औद्योगिक अशांति के अभाव – अर्थात् विध्वंसकारी संघर्ष से बचने के लिए विरोधी शक्तियों को अनुकूल बनाने – को सूचित करती है; बल्कि यह सौहार्द्रपूर्ण एवं उत्तम औद्योगिक संबंध की सक्रिय उपस्थिति को भी सूचित करती है, जिससे एक उद्योग से जुड़े पक्षकारों के बीच मैत्री एवं सद्‌भाव उत्पन्न होता है जो फलप्रद सहयोग के लिए कारण और परिणाम दोनों हैं । अत: स्पष्टत:, संपूर्ण तथा सकारात्मक अर्थ में औद्योगिक शांति का अर्थ वह नहीं है जो औद्योगिक तनाव अथवा अशांति के अभाव से व्यंजित होता है; यह श्रमिकों के संगठित निकायों तथा नियोक्ताओं / प्रबंधन के बीच के संबंध की एक ऐसी स्थिति को इंगित करता है जिसमें उद्योगों में विविध मानव-स्थितियों के प्रति एक उच्च स्तरीय अर्थपूर्ण, समस्या-समाधान उन्मुख तथा मैत्रीपूर्ण उपागम को अपनाने का भाव है ।

15. What are the inclusive parts of industrial peace ?
औद्योगिक शांति में क्या समाहित है ?

16. What are the exclusive parts of the industrial peace ?
औद्योगिक शांति में क्या समाहित नहीं है ?

17. What are the factors responsible for industrial unrest ?
औद्योगिक अशांति के कारक तत्त्व क्या-क्या हैं ?

18. Why the definition of industrial peace is difficult ?
औद्योगिक शांति को परिभाषित करना कठिन क्यों है ?

19. What are the manifestations of industrial unrest ?
औद्योगिक अशांति किस रूप में प्रकट होती है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....